

लड़का, बिल्ली और जादुई सारंगी





किसी ज़माने में
एक छोटा लड़का,
एक बूढ़े लक्कड़हारे के साथ रहता था.

एक दिन बूढ़े लक्कड़हारे ने
छोटे लड़के से कहा,
“मुझे कहीं बहुत दूर जाना है.
शायद अब हम फिर कभी न मिलें.”



“मुझे भी अपने साथ ले चलो,”
छोटे लड़के ने कहा.

“मैं तुम्हें अपने साथ नहीं लेकर जा सकता,”
बूढ़े लक्कड़हारे ने कहा.
“पर मैं तुम्हें तीन चीज़ें दूंगा.
जिनसे तुम्हारी तकदीर चमकेगी.”

फिर बूढ़े ने लड़के को
एक पुरानी कुल्हाड़ी दी,



एक पुरानी सारंगी दी,



और एक आँख वाली बिल्ली दी.



उसके बाद लक्कड़हारा
चला गया.



“इनका मैं क्या करूँगा?” लड़के ने पूछा.
“मैं एक पुरानी कुल्हाड़ी,
एक पुरानी सारंगी,
और एक आँख वाली बिल्ली
का भला क्या करूँगा?
मैं इन सभी चीज़ों को
यहीं पर छोड़ जाऊँगा.”



“तुम बहुत कम ही जानते हो,”
बिल्ली ने कहा.

“पर क्योंकि तुम कुछ तो जानते हो,
इसलिए जल्द ही तुम कई नई बातें सीखोगे.
चलो, अब हम चलेंगे!”



“मैं भी तुम्हारे साथ जाऊंगी,” बिल्ली ने कहा.

“मुझे नहीं पता था कि तुम बोल सकती हो,”
लड़के ने कहा.

फिर लड़के ने कुल्हाड़ी उठाई.



वे चलते गए, चलते गए.



“मुझे भूख लगी है,” लड़के ने कहा.



बिल्ली ने सारंगी उठाई.



“मुझे भी भूख लगी है,” बिल्ली ने कहा.



फिर उन्होंने अपनी यात्रा शुरू की.



“एक आँख की बिल्ली
को सारंगी बजाते हुए भला
कौन सुनना चाहेगा?”
लड़के ने कहा.

“तुम देख लेना,” बिल्ली ने कहा.
फिर बिल्ली और लड़का सोने चले गए.



“मेरे पास खाने को कुछ नहीं है,”
लड़के ने कहा.
“चलो फिर सोते हैं,” बिल्ली ने कहा.
“कल मैं अपनी सारंगी बजाऊँगी.
फिर हमें ज़रूर कुछ खाने को मिलेगा.”

अगले दिन वो कुछ आगे चले.

“देखो!” बिल्ली ने कहा.

“अरे!” लड़के ने कहा.

“देखो यहाँ पर कितना खाना है!

लोग पिकनिक मना रहे हैं!”



फिर लड़का और बिल्ली

दौड़कर मेज़ पर गए.

“हमें बहुत भूख लगी है,” लड़के ने कहा.

“हमें कुछ खाने को दो,”

बिल्ली ने कहा.



“तुम यहाँ से भागो!” एक आदमी ने कहा.

“कृपाकर हमें कुछ खाने को दो,”

लड़के ने भीख मांगी.

“फिर मेरी बिल्ली आप लोगों के मनोरंजन
के लिए अपनी सारंगी बजाएगी.”

“एक आँख की बिल्ली को
सारंगी बजाते हुए भला कौन
सुनना चाहेगा?”
उस आदमी ने कहा.
“तुम लोग यहाँ से भागो!”



“मैं अपनी सारंगी ज़रूर बजाऊँगी,”
बिल्ली ने कहा.
फिर उसने सारंगी बजाना शुरू की.





जैसे ही बिल्ली ने सारंगी बजाई
वैसे ही लोगों ने नाचना शुरू कर दिया.
लोग नाचने को मजबूर हो गए.
वो नाचते ही रहे.
क्योंकि, वो एक जादुई सारंगी थी.



आदमी नाचे।

औरतें नाचीं।

सारे बच्चे भी नाचे।

सारी गायें भी नाचीं.

सारे सुअर भी नाचे.

वो अपने आपको रोक नहीं पाए.

मेज़ भी नाचने लगी.

भगोने भी नाचने लगे.

थालियाँ भी नाचने लगीं.



“सारंगी बंद करो! रोको!” लोग चिल्लाये.
पर बिल्ली ने सारंगी बजाना ज़ारी रखा.
फिर लोगों का नाचना ज़ारी रहा.
अंत में लोग नाचते-नाचते गिर पड़े.



“अब,” बिल्ली ने लड़के से कहा,
“चलो अब खाते हैं.”
उसके बाद बिल्ली और लड़के ने
इतना खाया, इतना खाया,
कि अंत में वो और नहीं खा पाए.



“तुम्हें ज्यादा पता नहीं है,” बिल्ली ने कहा.
अभी तुम थोड़ा ही जानते हो!
पर जल्दी ही तुम कुछ और सीखोगे.
चलो चलें!”



“मुझे नहीं पता था कि तुम्हारी
सारंगी सुनकर लोग नाचने लगेंगे,”
लड़के ने कहा.



उसके बाद लड़का और बिल्ली आगे चले.

रास्ते में उन्हें एक राजा मिला.

“दौड़ो!” राजा चिल्लाया.

“अपनी ज़िन्दगी बचाने के लिए दौड़ो!”

“देखो एक भयानक ड्रैगन आ रहा है,”

राजा ने कहा.

“दौड़ो! दौड़ो! दौड़ो!”

“क्यों?” लड़के ने पूछा.





“अगर हम ड्रैगन को मार दें,
तब आप हमें क्या देंगे?”
बिल्ली ने पूछा.

“मैं तुम्हें सोने के सिक्कों से भरी
तीन थैलियाँ दूंगा,” राजा ने कहा.
फिर राजा अपने महल में जाकर छिप गया.





“चलो, जल्दी से
पेड़ पर चढ़ो!”
बिल्ली ने कहा.
“मुझे ड्रैगन
आते हुए दिख
रहा है!”



ड्रैगन सुस्ताने के लिए रुका.
ड्रैगन, इत्तिफाक से उसी पेड़
के नीचे आकर बैठा.



“वाह!” लड़के ने कहा.

“जरा उन ड्रैगन्स को देखो!”

“वो सिर्फ एक ही ड्रैगन है,”
बिल्ली ने कहा.

“उस ड्रैगन के तीन सिर हैं.”

“बताओ मैं क्या करूं?”

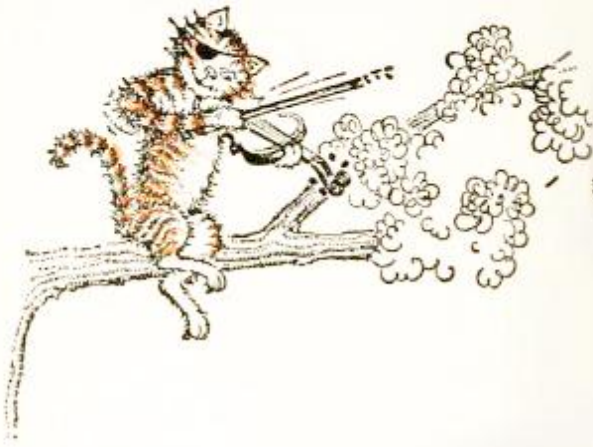
लड़के ने पूछा.

“क्या मैं उसका एक सिर काट दूं?”

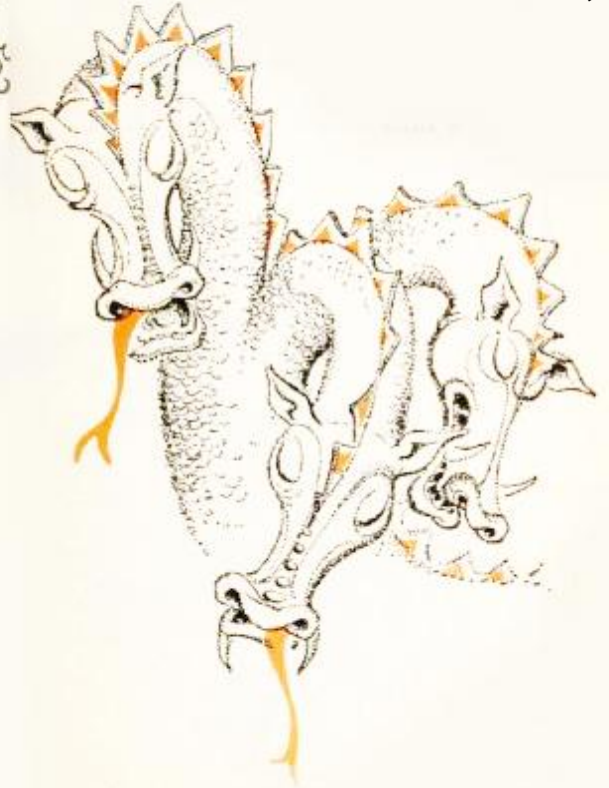
“फिर वो दूसरे सिर से
तुम्हें खा जायेगा.
और तीसरे सिर से
मुझे खा जायेगा!”



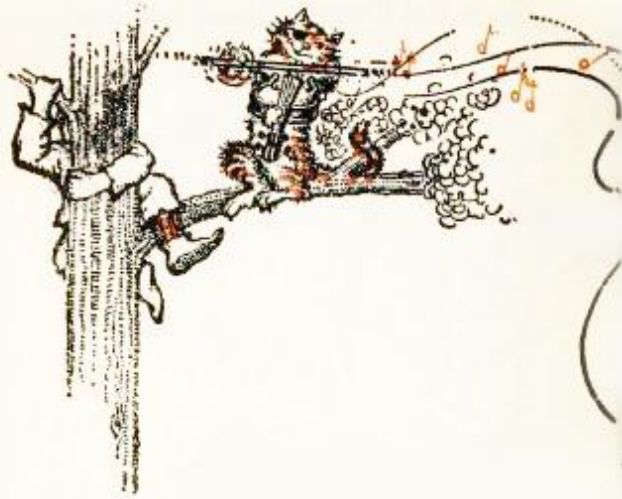
जल्द ही ड्रैगन की एक आँख बंद हो गई.
फिर उसकी दूसरी आँख बंद हुई.
फिर उसकी तीसरी आँख भी बंद हो गई.
धीरे-धीरे उसकी सभी छह आँखें बंद हो गईं.



“अब मैं अपनी सारंगी बजाऊँगी,”
बिल्ली ने कहा.
“मैं एक बहुत मधुर धुन बजाऊँगी.
उससे ड्रैगन के तीनों सिर सो जायेंगे.”



फिर बिल्ली ने सारंगी बजाई.
उसने एक बहुत मधुर धुन बजाई.



“अब,” बिल्ली ने कहा.

“मैं सारंगी पर मधुर धुन बजाती रहूंगी.

ड्रैगन गहरी नींद में सोता रहेगा.

फिर तुम उसके तीनों सिर काट देना.”

फिर ड्रैगन वहीं लेट गया.

और गहरी नींद में सो गया.



फिर लड़के ने पुरानी कुल्हाड़ी उठाई
एक वार से उसने पहला सिर उड़ाया!
दूसरे वार से उसने दूसरा सिर उड़ाया!
तीसरे वार से उसने तीसरा सिर उड़ाया!
इस तरह ड्रैगन का खात्मा हुआ.



“मुझे पता है कि तुम्हारी सारंगी सुनकर
लोग सो जाते हैं,” लड़के ने कहा.

“पर मुझे यह पता नहीं था कि तुम्हारी
सारंगी से ड्रैगन भी सो जायेगा.”

“तुम्हें अभी ज्यादा पता नहीं है,” बिल्ली ने कहा.

“पर तुम अब पहले से ज्यादा जान गए हो!
धीरे-धीरे तुम और जानोगे.”



उसके बाद लड़का और बिल्ली
राजा के पास गए.

“हमने ड्रैगन को मार डाला,” लड़के ने कहा.
“आप खुद देख सकते हैं.”



“अब आप हमें सोने के सिक्कों
की तीन थैलियाँ दें,”
बिल्ली ने कहा.

“कैसी थैलियाँ?” राजा ने कहा.
“कौन सा सोना?”

“ड्रैगन को मारने पर आपने
हमें तीन थैली सोने के सिक्के
देने का वादा किया था!”
लड़के ने कहा.



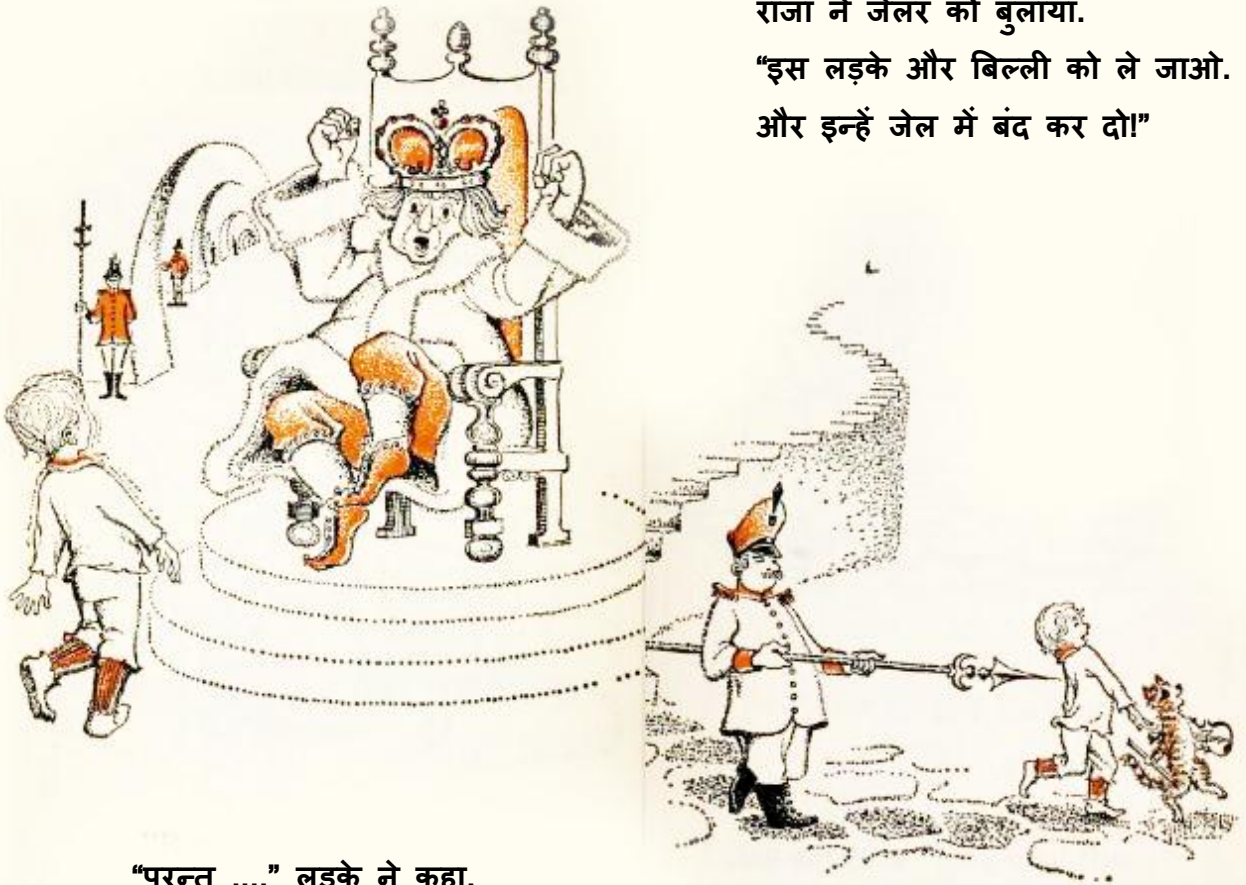
“मैं कहता हूँ कि तुम यहाँ से चले जाओ नहीं
तो मैं तुम्हें जेल में डाल दूँगा,”
राजा ने कहा.
“मैं अभी जेलर को बुलाता हूँ.”



राजा ने जेलर को बुलाया.

“इस लड़के और बिल्ली को ले जाओ.

और इन्हें जेल में बंद कर दो!”



“परन्तु” लड़के ने कहा.

अगले दिन सुबह जेलर आया.

उसने लड़के और बिल्ली को

कुछ रोटी और पानी दिया.

“तुम्हें बस इतना ही खाने को मिलेगा,”

जेलर ने कहा.



“अब भला कौन हमारी मदद करेगा,”

लड़के ने कहा.

“मैं तुम्हारी मदद करूंगी,” बिल्ली ने कहा.

“मैं सारंगी से तुम्हारी मदद करूंगी.

तुम देखना.”





“नहीं! नहीं!” जेलर ने कहा.

“एक आँख वाली बिल्ली की बजाई
सारंगी सुनने में मेरी कोई रुचि नहीं है?”



“आपका बहुत शुक्रिया!” लड़के ने कहा.

“अब मेरी बिल्ली आपके लिए सारंगी बजाएगी.”

“कोई बात नहीं,
मैं फिर भी सारंगी बजाऊँगी,”
बिल्ली ने कहा.
फिर उसने अपनी सारंगी बजाई.



फिर बिल्ली ने सारंगी पर
एक उदास धुन बजाई.
उसे सुनकर जेलर रोने लगा.

जेलर रोता ही रहा.

उसने रोना बंद ही नहीं किया.

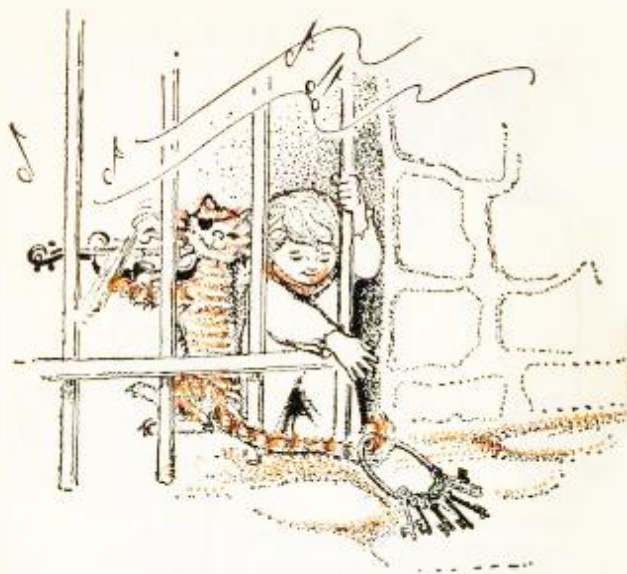
क्योंकि बिल्ली की सारंगी जादुई थी.



बिल्ली ने सारंगी बजाना जारी रखा.

बेचारा उदास जेलर, रोता ही रहा.

वो वहीं बैठकर लगातार रोता रहा.



फिर लड़के ने जेल का दरवाज़ा खोला.



उसके बाद लड़का और बिल्ली
जेल से बाहर निकल आए.



फिर लड़का और बिल्ली आगे चले.
उनकी यह दोस्ती सारी जिंदगी कायम रही.



अंत